नईदुनिया

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ के निवेश की दरकार

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के पांच साल बाद 1996 में अर्थशास्त्री राकेश मोहन ने वित्त मंत्रालय को अहम दस्तावेज सौंपा। इस दस्तावेज ने भारत के अवसंरचना या बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परिभाषा ही बदल दी। मोहन उस समय राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के महानिदेशक हुआ करते थे। भारतीय अवसंरचना रिपोर्ट शीर्षक नाम से मोहन के इस दस्तावेज में वैश्विक रुझानों और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के भारत की महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में उस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया जिसमें सरकार का दबदबा था। इस रिपोर्ट ने उन कई सुधारों का रास्ता भी साफ हो गया जो भारत में आने वाले सालों में अपनाए गए थे। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की दरकार होगी। साथ ही, इसमें कहा गया था कि निजी निवेश की हिस्सेदारी 5 फीसदी से बढ़ाकर 44 फीसदी करने की जरूरत है। इसके बाद के सालों में सरकार को एहसास हुआ कि जर्जर हो रहे अवसंरचना क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलना बहुत जरूरी है।

ग्राहकों को महिंद्रा ने दिया अब 7-सीटर के साथ आरामदायक विकल्प

नई दिल्ली। स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी,एक्सईवी 9एस का एक नया 6-सीटर संस्करण लान्च किया है, जिससे ग्राहकों को अब 7-सीटर के साथ एक और आरामदायक विकल्प मिल गया है। नए 6-सीटर संस्करण की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 25.25 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जो आरामदायक यात्रा चाहने वाले ग्राहकों को लक्षित करता है। अब तक महिंद्रा एक्सईवी 9एस केवल 7-सीटर व्यवस्था में उपलब्ध थी, जिसमें दूसरी कतार में एक बेंच सीट होती थी। नए 6-सीटर संस्करण में, कंपनी ने इस व्यवस्था को बदलकर दो अलग-अलग कैप्टन सीटें लगाई हैं। ये सीटें पर्याप्त जगह और अलग आर्मरेस्ट प्रदान करती हैं, जिससे लंबी यात्राओं में दूसरी कतार में बैठे यात्रियों को पहले से कहीं अधिक आराम मिलता है। यह बदलाव उन परिवारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है जो कार में यात्रियों की संख्या से ज्यादा उनके आराम और व्यक्तिगत जगह को प्राथमिकता देते हैं, जिससे कार का अंदरूनी हिस्सा भी अधिक प्रीमियम दिखाई देता है। महिंद्रा ने स्पष्ट किया है कि 6-सीटर विकल्प एक्सईवी 9एस के सभी संस्करणों में उपलब्ध नहीं होगा। यह सुविधा पेक टू अबोव, पेक थ्री और पेक थ्री अबोव जैसे उच्च संस्करणों के साथ ही मिलेगी, जबकि शुरुआती पेक वन अबोव में यह विकल्प नहीं दिया जाएगा। एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि समान संस्करण के 7-सीटर माडल की तुलना में 6-सीटर व्यवस्था के लिए ग्राहकों को केवल 25,000 रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे, जो इस प्रीमियम अनुभव के लिए एक मामूली वृद्धि है।

स्कोडा आटो फोक्सवैगन इंडिया की भारतीय ईवी बाजार में प्रवेश करने की योजना

नई दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए स्कोडा आटो फोक्सवैगन इंडिया (एसएवीडब्ल्यूआई) एक बहुआयामी रणनीति पर गंभीरता से विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसएवीडब्ल्यूआई वैश्विक माडलों के आयात, स्थानीय स्तर पर असेंबली और देश में ही इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण जैसे विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है। उनका मुख्य लक्ष्य भारतीय बाजार के लिए प्रासंगिक सही माडल की पहचान करना और उसका सफल स्थानीयकरण करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर पूरी तरह से तैयार वाहनों (एफबीयू) के आयात से बाजार में अपेक्षाकृत जल्दी प्रवेश किया जा सकता है। इसके अलावा आयातित पुर्जों का उपयोग करके स्थानीय स्तर पर वाहनों को असेंबल करना भी एक व्यवहार्य विकल्प है। उन्होंने स्थानीय रूप से ईवी विकसित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को भी दोहराया, हालांकि स्वीकार किया कि इस प्रक्रिया में काफी समय लगता है।

जुलाई में मानसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मानसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है।

हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मानसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मानसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ।

सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही। अधिकतर संकेतक विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी की रफ्तार जारी रहने और वस्तुओं के निर्यात एवं आयात में दो अंकों की वृद्धि को दर्शाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वृद्धि तीन महीनों की नरमी के बाद सकारात्मक हो गई है। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में भी जून में तेज वृद्धि हुई। इसे मुख्य तौर पर विनिर्माण में तेजी से रफ्तार मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और पेय पदार्थों के कारण जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई लेकिन कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति मध्यम बनी रही। बढ़ती ऋण मांग के साथ हाल के महीनों में जमा और ऋण दरों में भी मजबूती आई है। जून 2026 में एफडीआई निवेश पिछले महीने के मुकाबले बेहतर रहा। जून 2026 में शुद्ध एफडीआई 1.3 अरब डालर रहा जबकि मई 2026 में यह (-) 0.1 अरब डालर और जून 2025 में 2.3 अरब डालर था।

गूगल चीन से स्मार्टफोन, स्मार्टवाच का उत्पादन भारत में कर रहा स्थानांतरित

नई दिल्ली। हाल ही में भारत में गूगल कंपनी ने अपनी नई पिक्सल 11 सीरीज लान्च की है। खबर है कि गूगल चीन से पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवाच और वायरलेस ईयरबड्स का उत्पादन भारत में स्थानांतरित कर रहा है, जिससे भारत एक प्रमुख विनिर्माण और विकास केंद्र के रूप में उभरा है। भारत सरकार की स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियों और तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रानिक्स पारिस्थितिकी तंत्र ने गूगल जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांडों को आकर्षित किया है। गूगल पहले ही अगस्त 2024 में पिक्सल 8 के साथ भारत में चुनिंदा पिक्सल स्मार्टफोन माडल का स्थानीय उत्पादन शुरू कर चुका है, और अब फाक्सकान जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी कर इसे बढ़ाया है। गूगल इंडिया में डिवाइसेज एंड सर्विसेज के प्रबंध निदेशक मितुल शाह ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य हमेशा उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना रहा है, ताकि वे तकनीक का सहज अनुभव प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान भारतीय उपभोक्ताओं की दैनिक जरूरतों से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों को हल करने पर केंद्रित है। पिक्सल 11 श्रृंखला इसी सोच का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें हार्डवेयर, एआई और दीर्घकालिक उपयोगिता को एक साथ जोड़ा गया है। पिक्सल की 11वीं पीढ़ी के स्मार्टफोन अधिक टिकाऊ हार्डवेयर, उन्नत कैमरा प्रणाली और अधिक सक्रिय जेमिनी एआई सुविधाओं के साथ पेश किए गए हैं।

ईरान-अमेरिका युद्ध से परेशान एनआरआई भारत में खरीद रहे महंगे मकान

नई दिल्ली

मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ के अपार्टमेंट करा रहे बुक

ईरान युद्ध के चलते प्रवासी भारतीय भारत में महंगे मकान खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के मुताबिक करीब छह महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच एनआरआई भारत में लक्जरी मकान खरीदने के लिए बातचीत बढ़ा रहे हैं। पूर्वंकरा सीईओ ने कहा कि एनआरआई की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमारी प्री-सेल्स में एनआरआई की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी, जो चौथी तिमाही में बढ़कर 13 फीसदी और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 15 फीसदी तक पहुंच गई है।

खास बात यह है कि एनआरआई की तरफ से आ रही मांग का करीब 87 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशिया से है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रहने वाले एनआरआई भारत को निवेश का स्थिर और लंबे समय का ठिकाना मान रहे हैं। इस साल 28 फरवरी को लड़ाई छिड़ने के बाद से जीसीसी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले होते रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपरों और अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ रुपए के अपार्टमेंट बुक करा रहे हैं। लोढ़ा डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की अर्निंग्स काल के दौरान अनुमान लगाया कि यह रुझान पिछले साल से उलटा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि विदेश में उथल-पुथल के कारण एनआरआई भारत में सुरक्षित ठिकाना तलाशेंगे। हमें उम्मीद है कि आव्रजन से जुड़ी वजहों से अमेरिका में रहने वाले खरीदार भी ऐसा ही करेंगे। पिछले साल भारत से करीब 35,000 करोड़ रुपए का निवेश दुबई के रियल एस्टेट में हुआ था। अब उसका एक बड़ा हिस्सा भारत में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि मांग पर युद्ध का असर कम है। पश्चिम एशिया से आने वाले एनआरआई खरीदारों का कंपनी की कुल बिक्री में करीब 4-5 फीसदी योगदान रहता है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

न्यूयार्क। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। कीमतों में ये गिरावट वैश्विक आपूर्ति मार्ग होर्मुज पर तनाव में कमी से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेज गिरावट दर्ज की गई। इससे अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी ने फिसलकर 80 डालर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब आ गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी लगभग 2.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 85 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण विश्व के प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होनो है जिससे जहाजों का आवागमन बेहतर हुआ है। ईरान और ओमान के बीच इस प्रमुख् समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को बेहतर बनाने बातचीत जारी है।, इन देशों के बीच चल रही वार्ताओं से यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में तेल वाहक जहाजों की आवाजाही आसान हो जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देश एक अस्थायी समुद्री मार्ग स्थापित करने और समुद्र में मौजूद बारूदी सुरंगों को हटाने पर भी विचार कर रहे हैं।

विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी भारत में होटलों ने की कमाई

घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई, फिर भी भारत में होटल की मांग मजबूत बनी रही। घूमने-फिरने, शादियों और बड़े कारोबारी कार्यक्रमों के लिए होटल की मांग ने सेक्टर को सहारा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होटल सेक्टर की प्रति उपलब्ध कमरे से होने वाली कमाई करीब 10 फीसदी बढ़ी। कमरे का औसत किराया 6 फीसदी बढ़ा और कमरों की भराव दर करीब 2.33 फीसदी बढ़कर 65 फीसदी पहुंची यानी होटल कंपनियां ज्यादा कमरे चढ़ाने के साथ उनका किराया भी बढ़ाने में कामयाब रहीं। निवेशकों के लिए यही इस सेक्टर की सबसे अहम बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहली तिमाही में मुंबई और घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा। इसके पीछे घरेलू यात्रियों की बड़ी भूमिका रही। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रभावित हुई और विदेशी पर्यटकों की संख्या पर दबाव पड़ा। इसके बावजूद देश के अंदर घूमने वाले लोगों और बड़े कार्यक्रमों की मांग ने होटल कारोबार को संभाले रखा। निवेशकों के लिए इसका मतलब है कि होटल कंपनियां अब सिर्फ विदेशी पर्यटकों या कारोबारी यात्रियों पर निर्भर नहीं हैं। घरेलू पर्यटन भी उनकी कमाई का बड़ा सहारा बन रहा है।

इंडियन होटल्स की पहली तिमाही में कुल आमदनी 15 फीसदी बढ़ी। कंपनी को होटल चलाने से मिलने वाली फीस में बढ़ोतरी और नए कारोबार को जोड़ने का फायदा मिला। लीला पैलेसेज की कारोबारी आमदनी 28 फीसदी बढ़ी। कंपनी को देश के अंदर घूमने वाले लोगों की मजबूत मांग का फायदा मिला। वेंटिव हास्पिटैलिटी के भारतीय कारोबार की आमदनी करीब 20 फीसदी बढ़ी। वहीं शैले होटल्स के मुख्य होटल कारोबार की आमदनी 10 फीसदी बढ़ी। लेमन ट्री होटल्स की आमदनी करीब 9 फीसदी बढ़ी। कंपनी अपने खुद के होटल बढ़ाने के साथ ऐसे कारोबार पर भी जोर दे रही है, जिसमें दूसरे मालिकों के होटल चलाकर फीस कमाई जाती है। लेमन ट्री के अपने आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में उसकी आमदनी करीब 9 फीसदी बढ़ी और मुनाफा करीब 20 फीसदी बढ़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी तिमाही की शुरुआत अच्छी रही है। आगे शादियों का व्यस्त सीजन भी होटल कंपनियों के लिए मांग बढ़ा सकता है। इसके अलावा ब्रिक्स सम्मेलन जैसे बड़े कार्यक्रमों से भी होटल बुकिंग को सहारा मिलने की उम्मीद है। तीसरी तिमाही से विदेशी पर्यटकों की संख्या में सुधार हुआ तो होटल कंपनियों को घरेलू यात्रियों के साथ विदेश से आने वाले ग्राहकों का भी फायदा मिल सकता है यानी निवेशकों के लिए अगली कुछ तिमाहियां काफी अहम रहने वाली हैं।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और बान्ड यील्ड में कमी होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पाजिटिव सेंटीमेंट बना रहा, जिससे वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत उछल कर 7,677.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.11 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,151.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत मजबूत होकर 53,601.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोप के बाजार पिछले सत्र के दौरान दिन भर मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई मुनाफा वसूली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 10,886.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 159.54 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,266.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण अपनी सारी बढ़त गंवा कर 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,439.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक की चाल में गिरावट नजर आ रही है। एशियाई बाजार में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत टूट कर 5,726.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,527.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,512.06 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 132.11 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,874.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने भी बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 598.23 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,767.69 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 196.90 अंक यानी 0.77 प्रतिशत उछल कर 25,708 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,916.83 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,606.80 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 409.57 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 66,266 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।